31.10.25 पत्रावली वास्ते आदेशार्थ पेश हुई। प्रकरण में प्रार्थी अधिवक्ता ने बहस कर प्रा.पत्र को निर्णित कर सायलान को पाबंद हेतु निवेदन किया। अप्रार्थी अधिवक्ता ने बहस कर निवेदन किया की विवादित आराजी में उनके द्वारा न तो कोई निर्माण कार्य किया जा रहा है और न ही स्वरूप में कोई परिवर्तन किया जा रहा है इस कारण प्रा.पत्र खारिज किया जावे। पत्रावली का समस्त अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। अवलोकन उपरांत प्रार्थी का प्रा.पत्र न तो प्रथम दृष्टया साबित होता है न ही सुविधा का संतुलन व अपूरणीय क्षति कारित होना है इस

Signature Not Verified
Digitally signed by Prem Raj Meena
Date: 2025.12.22 10:48:20 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	कारण प्रार्थीया का प्रा. पत्र नपालित के खारिज किया जाता है। पत्रावली कौशल कुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। [signature] [illegible] अधिकारी करौली (राज.) Signature Not Verified Digitally signed by Prem Raj Meena Date: 2025.12.22 10:48:20 IST Reason: SelfAttested	